विकसित भारत अभियान
1947 TO 2047

MINISTRY OF EDUCATION
GOVERNMENT OF INDIA
शिक्षा मंत्रालय
भारत सरकार
सत्यमेव जयते

कला उत्सव

विद्यया ऽमृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT

कला उत्सव : दिशा–निर्देश (2024–25)

Kala Utsav : Guidelines (2024–25)

कला उत्सव 2024–25 : दिशा-निर्देश

Kala Utsav 2024–25 : Guidelines

अगस्त 2024
श्रावण 1946
PD 5H

© राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, 2024

सचिव, प्रकाशन प्रभाग, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली 110 016 द्वारा प्रकाशित।

विषय-सूची

1.	**कला उत्सव — एक विरासत**		**1–3**
2.	**कला उत्सव 2024 के लिए सामान्य दिशा-निर्देश**		**4–8**
	2.1	कला विधाएँ	4
	2.2	पात्रता	5
	2.3	राष्ट्रीय कला उत्सव	5
	2.4	अनुरक्षक	6
	2.5	प्रविष्टियाँ	7
	2.6	पुरस्कार	8
3.	**राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिता के लिए मापदंड**		**9–17**
	3.1	कलारूपों का श्रेणीवार विवरण	9
	3.2	राष्ट्रीय स्तर की प्रविष्टियों के लिए दिशा-निर्देश	11
	3.3	संगीत (गायन)	12
	3.4	संगीत (वादन)	13
	3.5	नृत्य	14
	3.6	नाटक	15
	3.7	दृश्य कला	16
	3.8	पारंपरिक कहानी वाचन	17
4.	**राज्य एवं केंद्रशासित प्रदेशों के सचिव और केंद्रीय विद्यालय संगठन, नवोदय विद्यालय संगठन एवं एकलव्य विद्यालयों के आयुक्तों की भूमिका एवं उत्तरदायित्व**		**18**
	परिशिष्ट — I		**19–20**
	परिशिष्ट — II		**21**

CONTENTS

1.	**Kala Utsav — The Legacy**		**22–24**
2.	**General Guidelines for Kala Utsav 2024**		**25–29**
	2.1	Art Forms	25
	2.2	Eligibility	26
	2.3	National Level Kala Utsav	27
	2.4	Escorts	28
	2.5	Entries	29
	2.6	Awards	29
3.	**Guidelines for National Level Competitions**		**30–38**
	3.1	Category Wise Details of Art Forms	30
	3.2	Guidelines for the Entries for National Level	31
	3.3	Vocal Music	33
	3.4	Instrumental Music	34
	3.5	Dance	35
	3.6	Drama	36
	3.7	Visual Arts	37
	3.8	Traditional Story Telling	38
4.	**Role and Responsibilities of Secretaries of States, UTs and Commissioners of KVS/NVS/EMRS**		**39**
	Annexure — I		**40–41**
	Annexure — II		**42**

1. कला उत्सव — एक विरासत

कला उत्सव, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार का वर्ष 2015 में प्रारंभ किया गया एक प्रमुख कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की कलात्मक प्रतिभा को पोषित एवं प्रस्तुत करना है। विद्यालय, जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर यह वार्षिक आयोजन विद्यार्थियों को भारतीय कला एवं सांस्कृतिक विविधता को समझने तथा उसे उत्सव के रूप में मनाने का मंच है।

यह आयोजन केवल एक बार की गतिविधि न होकर विद्यार्थियों की कलात्मक प्रतिभा को पहचानने, खोजने, समझने, अभ्यास करने, विकसित करने और प्रदर्शित करने की एक व्यापक प्रक्रिया है। इस उत्सव में प्रतिभागी न केवल अपनी सांस्कृतिक परंपराओं के विभिन्न कला स्वरूपों को प्रदर्शित करते हैं, बल्कि इस अनुभव का आनंद उठाते हुए 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की अवधारणा में भी योगदान देते हैं। इस प्रकार कला उत्सव विद्यार्थियों की कलात्मक प्रतिभा का पोषण करने, उनकी सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा देने तथा भारत की सांस्कृतिक परंपरा को विद्यार्थियों में प्रचारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अतिरिक्त, यह विद्यालयों के साथ कलाकारों, शिल्पकारों

और सांस्कृतिक संस्थानों को जोड़ने में भी सहायक है। कला उत्सव की परिकल्पना समाज के सभी वर्गों को मुख्यधारा में लाने और उनकी प्रतिभाओं और क्षमताओं को प्रदर्शित करने हेतु एक पूर्णत: एकीकृत मंच के रूप में की गई है। यह एक सर्व-समावेशी व्यवस्था के रूप में विद्यार्थियों की प्रतिभा निखारने और प्रदर्शित करने के लिए समान अवसर और अनुकूल वातावरण प्रदान करता है और सीखने-सिखाने की प्रक्रिया को अधिक अभिव्यंजक, रचनात्मक और आनंदमय बनाने में सहायता करता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 शिक्षा के माध्यम से कला और संस्कृति को बढ़ावा देने पर बल देती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में कहा गया है कि "भारतीय संस्कृति और दर्शन का दुनिया पर गहरा प्रभाव रहा है। वैश्विक महत्व की इन समृद्ध विरासतों को न केवल भावी पीढ़ी के लिए पोषित और संरक्षित किया जाना चाहिए, बल्कि हमारी शिक्षा प्रणाली के माध्यम से शोध, संवर्द्धन और नए उपयोग में भी लाया जाना चाहिए"। (पृष्ठ 4) यह नीति विद्यार्थियों के सांस्कृतिक विकास एवं सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के महत्व पर प्रकाश डालती है, जिसके फलस्वरूप, उनमें अपनी पहचान बनाने के साथ-साथ अपनी संस्कृति के प्रति जुड़ाव तथा अन्य संस्कृतियों की सराहना करने की क्षमता में वृद्धि होगी। नई शिक्षा नीति विद्यार्थियों में विकसित होने वाली सांस्कृतिक अवधारणा को एक प्रमुख योग्यता एवं गुण के रूप में देखती है और उनकी संज्ञानात्मक और रचनात्मक क्षमता को बढ़ाने में कला की क्षमता को भी इंगित करती है।

कला उत्सव, *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* की प्रमुख अवधारणाओं के अनुरूप है, जो समग्र और व्यापक शिक्षा को बढ़ावा देने में इसके महत्व को दर्शाती है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के दृष्टिकोण को कला उत्सव में पूर्णतया सम्मिलित किया गया है। कला उत्सव अपने प्रारंभिक सत्र (2015) से ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति के दृष्टिकोण एवं उल्लिखित सिद्धांतों को संपूर्ण रूप से समाविष्ट करके प्रतिभागियों को उन्हें आत्मसात करने का अनूठा अवसर प्रदान करता आया है।

कला उत्सव 2024 में कुछ बदलाव होंगे जो इसे तदनंतर अधिक विकसित, व्यापक और लचीला बनाएँगे।

- इस वर्ष कला उत्सव की विषय-वस्तु होगी —
  "विकसित भारत— वर्ष 2047 में भारत के लिए एक दृष्टिकोण"
- कलारूपों को छह व्यापक श्रेणियों के अंतर्गत कई उप-श्रेणियों में विभाजित किया गया है, जिनमें भाग लेने वाली टीमों को कई विकल्प दिए गए हैं, जैसा कि दिशा-निर्देशों के अगले भाग में बताया गया है।

2. कला उत्सव 2024 के लिए सामान्य दिशा-निर्देश

2.1 कला विधाएँ

पारंपरिक लोक कलाओं और शास्त्रीय कला विधाओं पर केंद्रित होने के साथ ही कला उत्सव (2024–25) नवीन और अभिनव कलारूपों के क्षेत्र में भी एक नई विचारधारा सृजित एवं विकसित करेगा। विद्यार्थियों से प्रविष्टियाँ छह व्यापक श्रेणियों में आमंत्रित की जाएँगी, जो विभिन्न कलात्मक अभिव्यक्तियों की विशिष्टताओं को चिह्नांकित करेंगी तथा भारत की समृद्ध, जीवंत तथा विविधताओं से परिपूर्ण विरासत को प्रतिबिंबित करेंगी। सभी छह श्रेणियों में पुरस्कार दिए जाएँगे, जो इस दिशा-निर्देश पुस्तिका में वर्णित हैं। राज्य, केंद्रशासित प्रदेश, केंद्रीय विद्यालय संगठन (के.वी.एस.), नवोदय विद्यालय समिति (एन.वी.एस.), ई.एम.आर.एस. छह मुख्य श्रेणियों में से किसी एक उप-श्रेणी में भाग लेंगे। प्रतियोगिता की मुख्य श्रेणियाँ और उप-श्रेणियाँ इस प्रकार होंगी —

1. **संगीत (गायन)** — शास्त्रीय एकल/लोक या जनजातीय एकल/भक्ति एकल या गायन समूह/लोक या जनजातीय समूह/भक्ति समूह/देशभक्ति समूह।
2. **संगीत (वादन)** — शास्त्रीय अवनद्ध एकल/शास्त्रीय स्वर वाद्य एकल/आर्केस्ट्रा समूह (शास्त्रीय/लोक)।
3. **नृत्य** — शास्त्रीय एकल, क्षेत्रीय लोक/जनजातीय समूह, समकालीन कोरियोग्राफी समूह (गैर-फिल्मी)।
4. **थिएटर** — मोनो एक्टिंग/मिमिक्री एकल या माइम समूह/ड्रामा समूह।

5. **दृश्य कला** — द्विआयामी/त्रिआयामी या स्वदेशी खेल-खिलौने या स्थानीय शिल्प।
6. **पारंपरिक कहानी वाचन** — किसी भी पारंपरिक शैली में।

2.2 पात्रता

किसी भी राज्य या केंद्रीय बोर्ड से संबद्ध किसी भी सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और निजी स्कूल के कक्षा 9, 10, 11 और 12 के विद्यार्थी कला उत्सव (2024–25) में भाग ले सकते हैं। राज्य/केंद्रशासित प्रदेशों में स्थित अन्य केंद्रीय सरकारी संगठनों/स्थानीय निकायों, जैसे– केंद्रीय तिब्बती स्कूल प्रशासन, प्रदर्शन बहुउद्देशीय स्कूल, एन.सी.ई.आर.टी., रेलवे, बी.एस.एफ., सी.आर.पी.एफ., परमाणु ऊर्जा आयोग, सेना, वायु सेना, छावनी बोर्ड, एन.डी.एम.सी., के.जी.बी.वी. के स्कूल क्षेत्र, राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के अन्य विद्यालयों के साथ जिला और राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे। के.वी.एस., एन.वी.एस., ई.एम.आर.एस. अपने-अपने स्कूलों के बीच संबंधित संगठनों में प्रतियोगिताएँ आयोजित करेंगे और उनकी विजेता टीमें राष्ट्रीय स्तर पर तीन अलग-अलग टीमों के रूप में भाग लेंगी। इस प्रकार, राष्ट्रीय स्तर पर प्रत्येक श्रेणी में भाग लेने वाली कुल 39 टीम, जिनमें से 36 राज्य एवं केंद्रशासित प्रदेश तथा 3 टीम— के.वी.एस., एन.वी.एस. और ई.एम.आर.एस. की होंगी।

टिप्पणी

- सभी नोडल अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उपरोक्त सभी विद्यालय जिला और राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लें।
- सभी विद्यार्थियों को भाग लेने का अवसर देने के लिए कला उत्सव के पिछले वर्षों के विजेताओं (प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान) को राष्ट्रीय कला उत्सव (2024–25) में भाग लेने की अनुमति नहीं है।
- सभी नोडल अधिकारी ध्यान दें कि पुरस्कार राशि सीधे विजेता के खातों में स्थानांतरित की जाएगी और राज्य/केंद्रशासित प्रदेश/एन.वी.एस./के.वी.एस./ई.एम.आर.एस. को नहीं दी जाएगी ताकि इसका समय पर वितरण सुनिश्चित किया जा सके।

2.3 राष्ट्रीय कला उत्सव

राष्ट्रीय कला उत्सव (2024–25) का आयोजन स्थल एवं विभिन्न श्रेणियों में प्रतियोगिताओं की विस्तृत सूची नोडल अधिकारियों के साथ साझा की जाएगी और

साथ ही साथ कला उत्सव वेबसाइट (https://kalautsav.ncert.gov.in) पर भी अपलोड कर दी जाएगी।

एन.सी.ई.आर.टी. यह सुनिश्चित करेगा कि सभी राज्य/केंद्रशासित प्रदेश/के.वी.एस./एन.वी.एस./ई.एम.आर.एस. टीमों को ईमेल तथा व्हाट्सएप समूह के द्वारा कार्यक्रम संबंधी सूचनाएँ समय समय पर प्रेषित की जाएँ। फिर भी उपरोक्त सभी टीमों से आग्रह है कि वे कृपया नियमित रूप से कला उत्सव की वेबसाइट (http://kalautsav.ncert.gov.in) पर जाकर जानकारी प्राप्त करें। आयोजकों की राष्ट्रीय टीम एक सक्रिय व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों/के.वी.एस./एन.वी.एस./ई.एम.आर.एस. के कला उत्सव के नोडल अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में रहेगी, जिसे नए सिरे से बनाया जाएगा।

राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए कला की प्रत्येक विधा में एक अलग निर्णायक समिति होगी, जिसमें संबंधित कला विधा के शिक्षकों, कलाकारों या विद्वानों में से विशेषज्ञ सम्मिलित होंगे। प्रतियोगिता के सभी दिनों में निर्णायक समिति के सदस्य वही रहेंगे। इन प्रतियोगिताओं के दौरान निर्णायक समिति विद्यार्थियों से प्रत्यक्ष संवाद करेगी, जहाँ विजेता/प्रतिभागी अपनी-अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

राष्ट्रीय कला उत्सव के आयोजन के लिए सहायक/सहयोगी राज्य/संस्थान ठहरने, भोजन, स्थानीय परिवहन, प्रतियोगिताओं के लिए स्थान आदि की व्यवस्था करेगा। सहयोगी राज्य द्वारा उनके नोडल अधिकारी की प्रतिनियुक्ति के उपरांत फोन नंबर सहित उनका विवरण सभी नोडल अधिकारियों के साथ साझा किया जाएगा।

2.4 अनुरक्षक

प्रत्येक टीम के अनुरक्षक में अनिवार्य रूप से एक महिला और एक पुरुष शिक्षक होंगे। यदि किसी टीम में 20 से अधिक विद्यार्थी हैं तो एक अतिरिक्त शिक्षक (महिला/पुरुष) अनुरक्षक (महिला/पुरुष) टीम के साथ जा सकता है। प्रत्येक दिव्यांग विद्यार्थी के साथ एक अनुरक्षक टीम के साथ जा सकता है। नोडल अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि—

1. विद्यार्थियों की प्रतिभागिता के लिए उनके अभिभावकों की अनुमति विद्यालय द्वारा ले ली गई है और,
2. अनुरक्षक शिक्षक, छात्रों के साथ भेजे जाने के लिए इच्छुक हैं।

2.5 प्रविष्टियाँ

प्रत्येक राज्य/केंद्रशासित प्रदेश/के.वी.एस./एन.वी.एस. और ई.एम.आर.एस. कला उत्सव की व्यापक श्रेणियों (संख्या में 6) के अंतर्गत विभिन्न उप-श्रेणियों में से किसी एक में भाग ले सकते हैं। कला उत्सव के लिए केवल कक्षा 9 से 12 के प्रामाणित विद्यार्थी कलाकारों की प्रविष्टियाँ ही मान्य होंगी। उनकी प्रस्तुति संबंधित विद्यालय के अधिकारियों के निर्देशन में ही तैयार की जानी चाहिए। किसी भी प्रकार के व्यावसायिक, पेशेवर चित्रकारों अथवा कलाकारों की भागीदारी की अनुमति नहीं है। कृपया ध्यान दें कि एक विद्यार्थी केवल एक ही श्रेणी में भाग ले सकता है। अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि छात्र और छात्राओं की समान भागीदारी हो। समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देते हुए उन्हें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि सामाजिक-आर्थिक रूप से वंचित विद्यार्थियों (एस.ई.डी.जी.) और दिव्यांग विद्यार्थियों की कला उत्सव 2024–25 में सक्रिय भागीदारी हो।

2.6 पुरस्कार

सभी विजेताओं (प्रथम, द्वितीय और तृतीय) को प्रत्येक श्रेणी में नकद पुरस्कार*, एक ट्रॉफी और पदक से सम्मानित किया जाएगा। समूह प्रतियोगिताओं की विजयी टीमों के सभी प्रतिभागियों में पुरस्कार राशि समान रूप से विभाजित की जाएगी। प्रत्येक कला श्रेणी (एकल एवं समूह) में नकद पुरस्कार इस प्रकार हैं—

प्रथम पुरस्कार	—	₹ 25,000/-
द्वितीय पुरस्कार	—	₹ 20,000/-
तृतीय पुरस्कार	—	₹ 15,000/-

सभी प्रतिभागियों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता भागीदारी के लिए प्रमाणपत्र दिया जाएगा।

**यह उल्लेख करना उचित होगा कि सम्मानित नकद पुरस्कार विजेताओं के खाते में डिजिटल रूप से अंतरित किया जाएगा।*

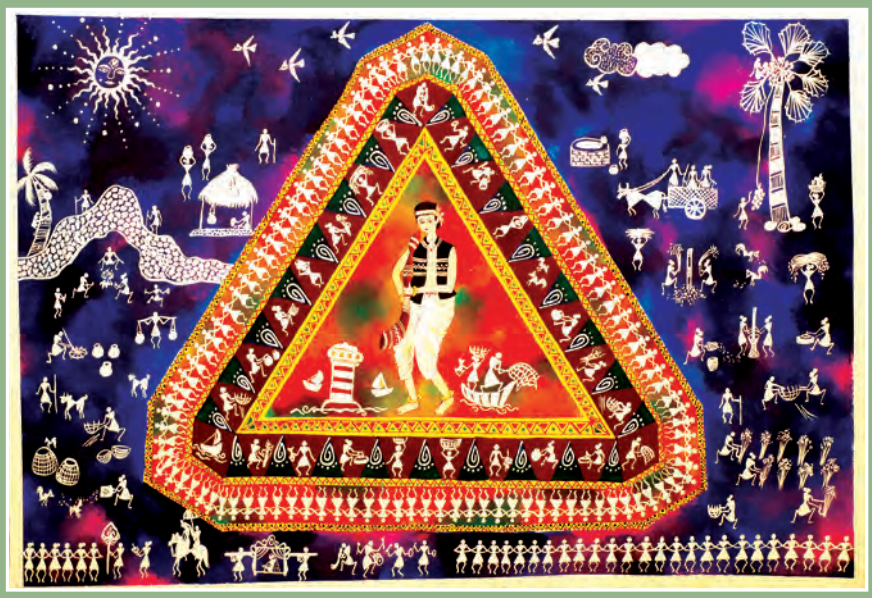

3. राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिता के लिए मापदंड

3.1 कलारूपों का श्रेणीवार विवरण—

क्रम संख्या	श्रेणी	प्रविष्टि	उप-श्रेणी (प्रत्येक टीम द्वारा केवल एक उप-श्रेणी चिह्नित की जाएगी)
1.	संगीत (गायन)	1 विद्यार्थी	शास्त्रीय लोक/जनजातीय धार्मिक
		अधिकतम 5 विद्यार्थी	समूहगान लोक जनजातीय गीत भक्ति गीत देशभक्ति गीत
2.	संगीत (वादन)	1 विद्यार्थी	शास्त्रीय अवनद्ध वाद्य शास्त्रीय स्वर वाद्य
		अधिकतम 5 विद्यार्थी	आर्केस्ट्रा समूह (लोक/शास्त्रीय)

3.	नृत्य	1 विद्यार्थी	शास्त्रीय (भारत का कोई भी शास्त्रीय नृत्य)
		अधिकतम 5 विद्यार्थी	क्षेत्रीय (लोक/जनजातीय) गैर-फिल्मी समकालीन कोरियोग्राफी
4.	थिएटर	1 विद्यार्थी	मोनो एक्ट मिमिक्री
		अधिकतम 5 विद्यार्थी	माइम सामूहिक नाट्य/ड्रामा प्रस्तुति
5.	दृश्य कला	1 विद्यार्थी	द्विआयामी –चित्रकला (ड्राइंग) –चित्रकारी (पेंटिंग) –(प्रिंटिंग) –कार्टून –कैरिकेचर
			त्रिआयामी –मूर्तिकला –मोबाइल्स –स्वदेशी खिलौने और खेल –स्थानीय शिल्प
6.	पारंपरिक कहानी वाचन	1 या 2 विद्यार्थी	प्रतिभागी कहानी वाचन में किसी एक या एक से अधिक कला स्वरूपों (नृत्य, संगीत, दृश्यकला या नाटक) का प्रयोग कर सकते हैं।

इस प्रकार राज्य/केंद्रशासित प्रदेश/के.वी.एस./एन.वी.एस./ई.एम.आर.एस. की प्रत्येक टीम ऊपर निर्दिष्ट उप-श्रेणी के अनुसार प्रविष्टियाँ जमा करेगी, वे समूह या एकल में भाग लेने के लिए 6 श्रेणियों में से किसी एक उप-श्रेणी का चयन कर सकते हैं। चुनी हुई श्रेणियों में विद्यार्थियों की संख्या भागीदारी के अनुसार अलग-अलग होगी। कृपया स्पष्टता के लिए दिशा-निर्देशों के उपरोक्त बिंदुओं को ध्यान से पढ़ें।

3.2 राष्ट्रीय स्तर की प्रविष्टियों के लिए दिशा-निर्देश—

3.2.1 सभी नोडल अधिकारियों से अनुरोध है कि वे प्रतियोगिताओं के पूरा होने के तुरंत बाद प्रत्येक श्रेणी में विद्यार्थियों का राज्य/केंद्रशासित प्रदेश/के.वी.एस./एन.वी.एस./ई.एम.आर.एस. स्तर का डेटा निर्दिष्ट प्रारूप में अपलोड करें।

3.2.2 प्रत्येक भाग लेने वाला विद्यार्थी एक विस्तृत प्रोफार्मा भरेगा और इसे अपने नोडल अधिकारी के माध्यम से राष्ट्रीय कला उत्सव टीम को प्रेषित करेगा। राष्ट्रीय कला उत्सव के प्रोफार्मा में विद्यार्थी की अपार संख्या (Unique APAAR ID) अनिवार्य है। अत: विद्यार्थियों से अपेक्षित है कि वे अपनी अपार संख्या (APAAR ID) के लिये समय से आवेदन भर दें।

3.2.3 **प्रविष्टियाँ जमा करने के लिए प्रोफार्मा**— राष्ट्रीय स्तर पर भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक प्रविष्टि को राज्य/केंद्रशासित प्रदेश/के.वी.एस./एन.वी.एस./ई.एम.आर.एस. के नोडल अधिकारी द्वारा विधिवत भरे हुए और सत्यापित प्रोफार्मा (परिशिष्ट—I और II में दिया गया) के साथ संलग्न किया जाना है। एक बार प्रविष्टि जमा करने के बाद, किसी भी प्रकार के संशोधन की अनुमति नहीं होगी।

3.2.4 **वीडियो फिल्म**— प्रत्येक श्रेणी में राज्य स्तर के विजेताओं के प्रदर्शन का वीडियो राष्ट्रीय स्तर के लिए प्रस्तुत किया जाना है। दृश्यकला श्रेणी (द्विआयामी, त्रिआयामी और स्वदेशी खेल और खिलौने) में वीडियो फिल्म के साथ कलाकृति के चित्र भी उपलब्ध कराए जाने चाहिए। कार्यक्रम, तिथि और स्थान के नाम के साथ पृष्ठभूमि में कला उत्सव का बैकड्रॉप अनिवार्य है। वीडियो फिल्म की अवधि 3–4 मिनट की हो सकती है। राष्ट्रीय स्तर की प्रविष्टि हेतु वीडियो को प्रोफार्मा और पाठ्य सारांश के साथ अनिवार्यत: अपलोड किया जाना है, जिसके लिए लिंक उपलब्ध कराया जाएगा।

3.2.5 **पाठ्य सारांश (लेखन)**— पाठ्य सारांश 100 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए, कंप्यूटर पर वर्ड डॉक्यूमेंट फॉर्मेट में हिंदी या अंग्रेजी में टाइप किया हुआ प्रविष्टि के साथ जमा या अपलोड करना होगा। पाठ्य सारांश की फोटो या पीडीएफ स्वीकार्य नहीं होगी। सारांश में चयनित कलारूप, उद्भव स्थान, संबद्ध समूह, विशेष अवसर, वेशभूषा, सहायक उपकरण, मंच सामग्री, पर्यावरण के साथ इसका जुड़ाव, इसकी शैली, तकनीक, सामग्री के बारे में विवरण सम्मिलित होंगे। पाठ्य सारांश के साथ प्रतिभागी कलाकृति बनाते या प्रस्तुति आदि करते समय के अपने छायाचित्र (अधिकतम 5) संलग्न कर सकते हैं।

3.2.6 सभी नोडल अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से प्रविष्टियों की जाँच करनी चाहिए, सत्यापन के लिए परिशिष्ट I और II में दिए गए घोषणा पत्र को भरना चाहिए और उन्हें राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए अपलोड करने और भेजने से पहले सत्यापित करना चाहिए।

ध्यान दें— पाठ्य सारांश (लेखन) और वीडियो फिल्म के लिए प्रत्येक श्रेणी में अंक निर्धारित हैं, जो अंतिम मूल्यांकन को प्रभावित करेंगे। कृपया मूल्यांकन पत्रक में निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

3.3 संगीत (गायन)

गायन संगीत में विशिष्ट शैली या उप-श्रेणी में से किसी एक में भाग लें। निम्नलिखित में से किसी एक का चयन राज्य/केंद्रशासित प्रदेश/के.वी.एस./एन.वी.एस./ई.एम.आर.एस. द्वारा किया जाएगा —

1. शास्त्रीय (एकल)
2. पारंपरिक लोक/आदिवासी (एकल)
3. भक्ति (एकल)
4. समूहगान (अधिकतम 5 विद्यार्थियों का समूह)
5. लोक/आदिवासी (अधिकतम 5 विद्यार्थियों का समूह)
6. भक्ति (अधिकतम 5 विद्यार्थियों का समूह)
7. देशभक्ति (अधिकतम 5 विद्यार्थियों का समूह)

सामान्य जानकारी

- प्रदर्शन की अवधि 4–6 मिनट होगी।
- वेशभूषा और मंच सज्जा प्रस्तुति से संबंधित होनी चाहिए।
- व्यावसायिक संगीत जगत के गीतों की अनुमति नहीं है।
- प्रतियोगिता के आयोजक तबला, ढोल, नाल, हारमोनियम, वायलिन और मृदंग हेतु संगतकार उपलब्ध कराएँगे। कृपया नोडल अधिकारी द्वारा प्रस्तुत प्रपत्र (परिशिष्ट—I) के साथ अपनी आवश्यकता की अग्रिम सूचना पहले ही जमा कर दें।

मूल्यांकन पत्रक — संगीत (गायन) — (सभी श्रेणियाँ)

सुर	लय	शैली में प्रामाणिकता	प्रस्तुति तकनीक	लेखन/वीडियो	कुल अंक
20	20	20	20	20	100

3.4 संगीत (वादन)

वादन प्रतियोगिता में विशिष्ट शैली या उप-श्रेणी में से किसी एक में भाग लें। निम्नलिखित में से किसी एक का चयन राज्य/केंद्रशासित प्रदेश/के.वी.एस./एन.वी.एस./ई.एम.आर.एस. द्वारा किया जाएगा —

1. शास्त्रीय — अवनद्ध वाद्य (एकल)
2. शास्त्रीय — स्वर वाद्य (एकल)
3. आर्केस्ट्रा — वाद्य समूह– लोक/शास्त्रीय (4–6 विद्यार्थियों का समूह)

सामान्य जानकारी

- अवनद्ध वाद्य— इसमें भारतीय संगीत वाद्ययंत्र सम्मिलित हैं, जैसे – मृदंग, एडक्का, तबला, ढोल आदि।
- स्वर वाद्य — (कोई भी तार या एयरोफोन) वाद्ययंत्रों में वायलिन, सितार, बाँसुरी, सरोद, वीणा, शहनाई, संतूर आदि भारतीय सुषिर वाद्ययंत्र सम्मिलित हैं।
- प्रदर्शन की अवधि 4–6 मिनट होगी।
- वेशभूषा और मंच सज्जा प्रस्तुति से संबंधित होनी चाहिए।
- केवल स्वदेशी संगीत वाद्ययंत्रों की अनुमति है।
- इलेक्ट्रॉनिक या प्रोग्राम किए गए संगीत वाद्ययंत्र की अनुमति नहीं होगी।
- प्रतियोगिता के आयोजक तबला, ढोल, हारमोनियम, मृदंग पर संगतकार उपलब्ध कराएँगे। कृपया नोडल अधिकारी द्वारा प्रस्तुत प्रपत्र (परिशिष्ट—I) के साथ अपनी आवश्यकता की अग्रिम सूचना पहले ही जमा कर दें।

मूल्यांकन पत्रक — संगीत (वादन)

सुर	लय	शैली में प्रामाणिकता	प्रस्तुति तकनीक	लेखन/वीडियो	कुल अंक
20	20	20	20	20	100

3.5 नृत्य

नृत्य में विशिष्ट शैली या उप-श्रेणी में से किसी एक में भाग लें। निम्नलिखित में से किसी एक का चयन राज्य/केंद्रशासित प्रदेश/के.वी.एस./एन.वी.एस./ई.एम.आर.एस. द्वारा किया जाएगा—

1. शास्त्रीय नृत्य (एकल)
2. क्षेत्रीय (लोक/जनजातीय) नृत्य— (अधिकतम 5 विद्यार्थियों का समूह)
3. गैर-फिल्मी समकालीन कोरियोग्राफी (अधिकतम 5 विद्यार्थियों का समूह)

सामान्य जानकारी

- शास्त्रीय नृत्य विधाओं में भरतनाट्यम्, कथक, सत्तरिया, कुचिपुड़ी, ओडिसी, मोहिनीअट्टम, कथकली, सरायकेला, छौ (छऊ) और मणिपुरी सम्मिलित हैं।
- पारंपरिक लोकनृत्य किसी भी राज्य या क्षेत्र का पारंपरिक लोक होगा।
- समूह नृत्य पारंपरिक लोक स्वरूपों में हो सकते हैं।
- समसामयिक विषयगत प्रस्तुति गैर-फिल्मी संगीत पर आधारित होनी चाहिए।
- प्रदर्शन की अवधि 4–6 मिनट होगी।
- संगीत को या तो रिकॉर्ड किया जा सकता है या लाइव चलाया जा सकता है। लाइव संगीत के लिए किसी अतिरिक्त प्रतिभागी को अनुमति नहीं दी जाएगी।
- वेशभूषा और मेकअप सरल, प्रामाणिक, विषयगत और प्रस्तुति से जुड़ा हुआ होना चाहिए।
- टीमों द्वारा अत्यंत सरल एवं न्यूनतम सेट एवं पोशाक आदि की व्यवस्था की जानी है।

मूल्यांकन प्रपत्र — नृत्य

शैली में प्रामाणकिता	विविधताओं में नवाचार	वेशभूषा	प्रस्तुति कौशल	संगीत	लेखन/ वीडियो	कुल अंक
20	20	10	20	10	20	100

3.6 नाटक

नाटक में विशिष्ट शैली या उप-श्रेणी में से किसी एक में भाग लें। निम्नलिखित में से किसी एक का चयन राज्य/केंद्रशासित प्रदेश/के.वी.एस./एन.वी.एस./ई.एम.आर.एस. द्वारा किया जाएगा —

1. मोनो एक्ट
2. मिमिक्री (एकल)
3. माइम (अधिकतम 5 विद्यार्थियों का समूह)
4. नाटक (अधिकतम 5 विद्यार्थियों का समूह)

सामान्य जानकारी

- समूह नाटक में अधिकतम 5 प्रतिभागी होने चाहिए। यह आधुनिक रंगमंच के किसी भी क्षेत्रीय रूप में हो सकता है, जिसमें आपके राज्य या क्षेत्र के किसी भी व्यक्तित्व, यानी प्रख्यात समाज सुधारक, कलाकार, लेखक, कवि, वैज्ञानिक, स्वतंत्रता सेनानी के जीवन की झलकियाँ सम्मिलित की जा सकती हैं।
- प्रदर्शन की अवधि 6–8 मिनट होगी।
- प्रत्येक टीम को मंच सज्जा (तकनीकी सेटिंग) के लिए 5 मिनट और मंच को साफ़ करने के लिए 5 मिनट अतिरिक्त मिलेंगे।
- प्रदर्शन किसी भी क्षेत्र की किसी भी भाषा या बोली का हो सकता है।
- वेशभूषा, मंच-सज्जा, मंच सामग्री आदि की व्यवस्था टीमों द्वारा स्वयं की जाएगी।
- पार्श्व सगीत के लिए ट्रैक या रिकॉर्ड किए गए संगीत का उपयोग किया जा सकता है।

मूल्यांकन प्रपत्र — नाटक

थीम	संचार कौशल / अभिव्यक्ति	मंच साज-सज्जा/ डिज़ाइन	पोशाक और शृंगार	समग्र प्रस्तुति	लेखन/ वीडियो	कुल अंक
20	20	10	10	20	20	100

3.7 दृश्य कला

दृश्य कला में विशिष्ट शैली या उप-श्रेणी में से किसी एक में भाग लें। निम्नलिखित में से किसी एक का चयन राज्य/केंद्रशासित प्रदेश/के.वी.एस./एन.वी.एस./ई.एम.आर.एस. द्वारा किया जाएगा —

1. दृश्य कला– द्विआयामी— ड्राइंग, पेंटिंग, प्रिंटिंग, कार्टून, कैरिकेचर।
2. दृश्य कला– त्रिआयामी— मूर्तिकला, मोबाइल।
3. स्वदेशी खेल और खिलौने।
4. स्थानीय शिल्प।

सामान्य जानकारी

- दृश्य कला की प्रतियोगिताएँ तीन दिनों तक आयोजित की जाएँगी। प्रतिभागियों से राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के दौरान मौके पर ही अपना कला कार्य पूरा करना अपेक्षित है। पहले बनाई गई कलाकृतियों की अनुमति नहीं है।
- द्विआयामी कार्य का आकार 2×3 फीट से बड़ा नहीं होगा। त्रिआयामी कार्य का आकार 2×2×2 फीट से बड़ा नहीं होगा। स्वदेशी खिलौनों और खेल के लिए खिलौनों की अधिकतम संख्या 4 ही होगी।
- सामग्री और माध्यम का चयन विद्यार्थी की पसंद के अनुसार होगा।
- दृश्य कला की उप-श्रेणियों के लिए उपयोग की जाने वाली सभी सामग्रियाँ पर्यावरण अनुकूल और बायोडिग्रेडेबल होनी चाहिए।
- कला सामग्री की व्यवस्था राज्य/केंद्रशासित प्रदेश/एन.वी.एस./के.वी.एस./ई.एम.आर.एस. अधिकारियों द्वारा की जानी चाहिए। मिट्टी और रेत जैसी कला सामग्री अनुरोध पर आयोजकों द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी। कृपया नोडल अधिकारी द्वारा प्रस्तुत प्रपत्र (परिशिष्ट—I) के साथ कला सामग्री की आवश्यकता पहले ही बता दें।
- स्वदेशी खिलौनों में, प्रतिभागी से खिलौनों या खेलों की कार्यात्मक सटीकता और मूल डिजाइन पर ध्यान केंद्रित करने की अपेक्षा की जाती है।

- प्रतिभागियों को निर्णायक समिति के साथ बात-चीत के लिए कार्यक्रम स्थल पर उपलब्ध होना चाहिए। निर्णायक समिति प्रक्रिया के दौरान प्रतिभागियों का निरीक्षण करेगी और सभी दिनों में उनके साथ बात-चीत करेगी।
- दृश्य कला की सभी उप-श्रेणियों के प्रत्येक प्रतिभागी को कार्य करने हेतु 6×4 फीट की जगह उपलब्ध कराई जाएगी।

मूल्यांकन पत्रक— दृश्य कला

रचना एवं शैली	मौलिकता	तकनीक	प्रस्तुति/कथन	लेखन/वीडियो	कुल अंक
20	20	20	20	20	100

3.8 पारंपरिक कहानी वाचन

प्रतिभागी कहानी वाचन में किसी एक या एक से अधिक कला स्वरूपों (नृत्य, संगीत, दृश्यकला या नाटक) का प्रयोग कर सकते हैं।

सामान्य जानकारी

- 1 या 2 प्रतिभागी कहानी सुनाएँगे।
- वेशभूषा, मेकअप, मंच सज्जा और संगीत प्रतिभागी की पसंद के हो सकते हैं।
- कथन 5 मिनट से अधिक नहीं होना चाहिए।
- प्रस्तुति किसी भी बोली अथवा भाषा में हो सकती है।

मूल्यांकन पत्रक — कहानी वाचन

थीम	संचार कौशल / अभिव्यक्ति	मंच साज-सज्जा/ डिजाइन	पोशाक और शृंगार	समग्र प्रस्तुति	लेखन/ वीडियो	कुल अंक
20	20	10	10	20	20	100

4. राज्य एवं केंद्रशासित प्रदेशों के सचिव और केंद्रीय विद्यालय संगठन, नवोदय विद्यालय संगठन एवं एकलव्य विद्यालयों के आयुक्तों की भूमिका एवं उत्तरदायित्व

राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से प्रत्येक प्रविष्टि को सचिव, शिक्षा द्वारा अनुमोदित किया जाएगा और के.वी.एस./एन.वी.एस./ई. एम.आर.एस. के संबंध में उन्हें संबंधित आयुक्तों द्वारा अनुमोदित किया जाएगा। नोडल अधिकारियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे व्यक्तिगत रूप से सभी प्रविष्टियों की जाँच करें तथा परिशिष्ट I और II में दिए गए सत्यापन के लिए घोषणा पत्र भरें और उन्हें राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए अपलोड करने और जमा करने से पहले सत्यापित करें।

परिशिष्ट I

कला उत्सव, (2024–25) प्रविष्टियाँ जमा करने का प्रोफार्मा

(राष्ट्रीय स्तर पर भाग लेने के लिए राज्य/केंद्रशासित प्रदेश/के.वी.एस./एन.वी.एस./ई.एम.आर.एस. द्वारा भेजा जाना है।)

अनुभाग क— सामान्य जानकारी

1. राज्य/संघ राज्य क्षेत्र/के.वी.एस./एन.वी.एस./ई.एम.आर.एस.—
2. प्रतिभागियों का विवरण —

क्रम संख्या	विद्यार्थी का नाम	कक्षा	लिंग (छात्र/ छात्रा)	विद्यालय का नाम, पिनकोड के साथ पूरा पता और विद्यालय की श्रेणी (सरकारी/ सरकारी सहायता प्राप्त/ के.वी.एस./ एन.वी.एस./ई.एम.आर.एस./ निजी विद्यालय/अन्य)	कला रूप/श्रेणी
1.					
2.					
3.					
4.					
5.					
6.					
7.					
8.					
9.					
10.					
11.					
12.					
13.					
14.					
15.					
16.					
17.					
18.					
19.					
20.					

3. मान्य शिक्षक/अनुरक्षक शिक्षक का विवरण —

क्रम संख्या	अनुरक्षक शिक्षक का नाम	पदनाम	लिंग (महिला/पुरुष)	विद्यालय का नाम, पिनकोड के साथ पूरा पता और विद्यालय की श्रेणी (सरकारी/सरकारी सहायता प्राप्त/के.वी.एस./एन.वी.एस./निजी स्कूल/अन्य)	संपर्क नंबर
1.					
2.					

4. विशेष आवश्यकता वाले/दिव्यांग प्रतिभागियों के साथ अनुरक्षक का विवरण:

क्र. सं.	माता-पिता/ अनुरक्षक का नाम	अनुरक्षित किए जा रहे दिव्यांग विद्यार्थी का नाम	लिंग (महिला/पुरुष)	पिनकोड सहित पूरा पता	संपर्क नंबर
1.					
2.					

5. संगीत वाद्ययंत्रों और संगतकारों की आवश्यकता पर (✓) निशान लगाएँ।

- तबला
- ढोलक
- हारमोनियम
- मृदंग
- बाँसुरी
- सारंगी
- वायलिन

6. पाठ्य सारांश 100 शब्दों से अधिक नहीं। (विवरण के लिए, कृपया दिशा-निर्देशों का पैरा 3.2.5 देखें।)
7. कलारूप की प्रक्रिया और प्रस्तुति की वीडियो क्लिप। (विवरण के लिए, कृपया दिशा-निर्देशों का पैरा 3.2.4 देखें।)

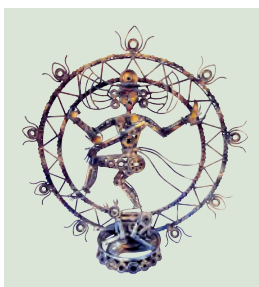
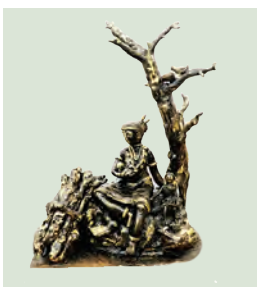

परिशिष्ट II

घोषणा-पत्र

(राज्य/केंद्रशासित प्रदेश/के.वी.एस./एन.वी.एस./ई.एम.आर.एस. द्वारा)

1. राष्ट्रीय स्तर के कला उत्सव 2024–25 हेतु प्रस्तुत सभी प्रविष्टियाँ एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा प्रदान किए गए कला उत्सव 2024–25 दिशा-निर्देशों के अनुसार हैं।
2. मैंने व्यक्तिगत रूप से प्रस्तुति देखी है और मैं प्रमाणित करता/करती हूँ कि वे कला उत्सव दिशा-निर्देशों का उल्लंघन नहीं करती हैं।

मोहर के साथ हस्ताक्षर

दिनांक – ...../...../2024

स्थान – _____

परिशिष्ट I और II भरने के बाद, राष्ट्रीय कला उत्सव 2024–25 के लिए प्रविष्टियाँ 20/11/2024 से पहले kalautsav.ncert@ciet.nic.in पर मेल की जानी चाहिए और डाक द्वारा निम्नलिखित पते पर भेजी जानी चाहिए।

अध्यक्ष,
कला एवं सौंदर्यबोध शिक्षा विभाग
द्वितीय तल, जी.बी. पंत ब्लॉक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्,
श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली – 110016

**राज्य और केंद्रशासित प्रदेश के मामले में घोषणा सचिव (शिक्षा) द्वारा दी जाएगी। के.वी.एस., एन.वी.एस., ई.एम.आर.एस. के मामले में संबंधित आयुक्त घोषणा देंगे।*

1. Kala Utsav—The Legacy

Kala Utsav, a flagship programme of the Department of School Education and Literacy (DSE&L), Ministry of Education (MoE) was launched in 2015. Kala Utsav aims to foster and showcase the artistic talent of the student of Secondary Stage. This annual event provides a platform for students to explore and celebrate arts and cultural diversity at various levels—school, district, state and national.

The event is more than just a one-time activity; it initiates a comprehensive process of identifying, exploring, understanding, practicing, evolving and showcasing artistic talent of students. The participants not only perform varied art forms from their cultural traditions but also immerse in the experience, contributing to the vision

of *Ek Bharat, Shreshtha Bharat*. Overall, Kala Utsav plays a crucial role in nurturing artistic talent, fostering cultural understanding and promoting cultural heritage of Bharat among students. The traditions also show us the creative expansion from individual to the community, which contributes towards the overall development of the society. Further, this also helps to promote networking of artists, artisans and institutions with schools. Kala Utsav is envisaged as a fully integrated platform to mainstream students from all the sections of the society and give them a platform to showcase their talents and abilities. It provides an equal opportunity and favourable environment to nurture and showcase the talents of students in an all-inclusive set up and helps in making learning more expressive, creative and joyful.

The *National Education Policy (NEP)* 2020 emphasises on the promotion of arts and culture through education. The NEP states, "Indian culture and philosophy have had a strong influence on the world. These rich legacies to world heritage must not only be nurtured and preserved for posterity but also researched, enhanced and put to new uses through our education system" (NEP 2020, p. 4). NEP identifies this cultural understanding as a major competency required among students and suggests that art forms are the main medium for imparting this knowledge. It also points out the capacity of arts in enhancing the cognitive and creative ability of students.

Kala Utsav aligns with several key recommendations of the NEP 2020, reflecting its significance in promoting holistic and comprehensive education.

In Kala Utsav 2024, there will be a few changes which will foster growth, flexibility and widen the scope of the whole event.

- Theme of this Kala Utsav will be:

  Viksit Bharat–A Vision for Bharat in the year 2047.

- The art forms have been grouped in many sub-categories under six broad categories, giving a wide range of choice to the participating teams (as mentioned in the next section of the guidelines).

2. General Guidelines for Kala Utsav 2024

2.1 Art Forms

Kala Utsav 2024–25, in addition to showcasing traditional folk and classical art forms will initiate a new thought process in the innovative and flexible categories. The entries will be invited in six broad categories which will create space for multiple artistic expression which will be enriching, vibrant and reflective of the nation's diverse heritage. Prizes will be given in all the six categories which are described in this document later. The States, UTs, KVS, NVS and EMRS will participate in any one sub-category of the six main categories. The main categories and their sub-categories would be:

1. **Vocal Music —** Classical solo/Folk or Tribal solo/Devotional solo or Choir group/Folk or Tribal group/Devotional group/ Patriotic group
2. **Instrumental Music —** Classical solo (Melodic and Percussion) Orchestra ensemble (Folk or Classical)
3. **Dance —** Classical solo, Regional folk/tribal group, Contemporary choreography group (non-filmy)
4. **Theatre —** Mono acting/Mimicry solo or Mime group/Drama group
5. **Visual Arts —** 2D or 3D Indigenous Toys and Games, or Local crafts
6. **Traditional Story Telling —** in any traditional style.

2.2 Eligibility

Students of Classes IX, X, XI and XII of any government, government-aided and private school affiliated to any state or central boards, can participate in Kala Utsav (2024–25). Schools of other central government organisations/local bodies (like Central Tibetan School Administration, Demonstration Multipurpose Schools, NCERT, Railways, BSF, CRPF, Atomic Energy Commission, Army, Air Force, Cantonment Boards, NDMC, KGBV) located in the State or Union Territory will participate at the district and state level competitions, along with the other schools of the States or UTs. The KVS, NVS and EMRS will hold competitions amongst their own schools in respective organisations and their winning teams will participate as three separate teams at the national level. Thus, total teams participating in each of the categories at the national level will be 39 [36 States/UTs + KVS + NVS + EMRS].

Note

- All the nodal officers have to ensure that all schools participate in the district and state level competitions to enable selection of the gifted and talented students.
- Winners (1st, 2nd and 3rd position) of the previous years of Kala Utsav are not allowed to participate in National Kala Utsav 2024–25 to give scope to other students to participate.
- All nodal officers to note that the prize money will be transferred directly into the winner's accounts and not given to the state, UT, NVS, KVS and EMRS to ensure it's timely distribution.

2.3 National Level Kala Utsav

Information of the venue (once finalised) and schedule of competitions will be shared with all Kala Utsav nodal officers and shall be notified on through Kala Utsav website (https://www. kalautsav.ncert.gov.in), well in advance.

NCERT will ensure that all State, UTs, KVS, NVS, EMRS teams are informed about the developments through emails, WhatsApp groups of nodal officers. In spite of the above, all stakeholders are advised to visit the Kala Utsav website for the new announcements and status updates on regular basis. The national team of organisers will continuously be in touch with the nodal officers of Kala Utsav from State, UTs, KVS, NVS and EMRS through an active WhatsApp group which will be created afresh.

For the national level competitions, in every category of arts, there will be a separate jury consisting of experts drawn from educators, practitioners or scholars of the respective art forms. Members of the jury will remain same for all competition days. The jury will directly interact with the students during these competitions where the winners or participants will showcase their respective talent.

The partner state or institute for organising National Kala Utsav will be making arrangements for the stay, food, local transportation, venues for competitions, etc. Once their nodal officer is deputed by the state, their details including phone number will be shared with all nodal officers.

2.4 Escorts

Escorts for all the teams will essentially include one female and one male teacher. In case there are more than 20 students in a team, an additional teacher escort (female or male) can accompany the teams. One escort per *divyaang* student or student with special need, can accompany the team. nodal officers have to ensure that:

i. The schools have taken prior permission of the parents regarding the participation of their wards in the Kala Utsav.

ii. The escort teachers are willing to be sent with the students. Change of the escorts at the last moment will not be allowed under any circumstances as it creates security issues.

2.5 Entries

The State, UTs, KVS, NVS and EMRS can participate in any one of the sub-categories provided under the broad categories. Entries for Kala Utsav, will have only those student performers who are studying in Classes IX to XII. They should prepare their presentations or programmes under the supervision of the school authorities. Participation of professional artists or performers is not allowed. Please note that one student can participate only in one category. Authorities have to ensure that there is an equal participation of girls and boys. Inline with the policy of the Government of India to promote inclusive education, the authorities have to ensure that students from Socio-Economically Disadvantaged Group (SEDG) including children with special needs also participate at all levels of Kala Utsav.

2.6 Awards

All the winners (1st, 2nd and 3rd) will be awarded cash prize*, a trophy and medal in each sub-category. For winning teams of group events, the cash award will be distributed equally among all the members of the team. The cash awards in each art category (solo and group) are as under:

First prize	:	₹ 25,000/-
Second prize	:	₹ 20,000/-
Third prize	:	₹ 15,000/-

All participants will be given a certificate for the National level participation.

* It would be pertinent to mention that the awarded cash prize would be digitally transferred to the account of the winners.

3. Guidelines for National Level Competitions

3.1 Category Wise Details of Art Forms

S. No.	Category	Entry	Sub-category (only one sub-category will be ticked by each team)
1.	Vocal Music	1 student	Classical Folk Tribal Devotional
		Maximum 5 students	Choir group Folk group Tribal group Devotional group Patriotic group
2.	Instrumental Music	1 student	Classical/Percussion/Melodic
		Maximum 5 students	Orchestra ensemble (Folk/Classical)

3.	Dance	1 student	Classical (any classical dance form of India)
		Maximum 5 students	Regional (Folk/Tribal) in Group Contemporary Choreography (non-film)
4.	Theatre	1 student	Mono act Mimicry
		Maximum 5 students	Mime Play/Drama in Group
5.	Visual Arts	1 student	2 Dimensional (Drawing, Painting, Printing, Cartoon, Caricature) 3 Dimensional (Sculpture, Mobiles) Indigenous Toys and Games Local crafts
6.	Traditional Story Telling	1 or 2 students	Traditional Story Telling incorporating Dance, Drama, Music or Visual Arts or more than one art form.

Thus, every team of the state, UT, KVS, NVS and EMRS will submit entries, as per the sub-category specified above, they can choose any one sub-category from each of the 6 categories to participate in group or solo as per their choice. In the group categories the number of students will differ as per participation. Please read the relevant points of the guidelines carefully to avoid confusion.

3.2 Guidelines for the Entries for National Level

3.2.1 All the nodal officers are requested to upload the State, UT, KVS, NVS and EMRS level data of students in the category in a given format immediately after the completion of competitions.

3.2.2 Every participating student will fill up a detailed proforma and submit it to National Kala Utsav team through their nodal officer. All students must compulsorily mention their Unique APAAR ID in the performa. Therefore, it is expected that students should procure their APAAR ID before the National level Kala Utsav, if they haven't done it already.

3.2.3 Proforma for submitting entries: Every entry is to be supported with the duly filled and signed proforma (given in Annexure — I and II) by the nodal officer of State, UT, KVS, NVS and EMRS to ensure participation at National Level. Once submitted, no changes will be entertained.

3.2.4 Video film: Video of the State level winners' performance in each category is to be submitted for the National Level. In the Visual Art category (2D, 3D and Indigenous Toys and Games), photographs of the artwork should also be provided along with the video film. Kala Utsav backdrop with the name of programme, date and venue should be displayed at all competition venues ensuring its visibility in the video. Duration of the video film can be between 3–4 minutes. The video as part of the national level entry is to be uploaded along with the proforma and textual summary. The link will be provided for uploading data.

3.2.5 Textual summary (write-up): The textual summary should not be more than 100 words. It should be typed in word document format either in Hindi or in English and has to be submitted or uploaded with the entry. Image, Photo or PDF of the textual summary will not be acceptable. The summary will include details about the selected art form, place of its origin, communities involved in its practice, special occasions when the art form is practiced, costumes, accompanying instruments, props, its connect with the environment, its style, techniques, material used, etc. The textual summary can be supported with photographs (maximum 5) of the participant during the making of their art piece or giving performance, etc.

3.2.6 All nodal officers should personally check the entries, fill up the Declaration Forms for authentication as given in Annexures I and II and verify it before uploading and sending them for the national level competition.

Note: Textual Summary (write-up) and Video Film carries marks in each of the categories and will impact the final evaluation. Please read the marking indicators in the Evaluation Sheet properly.

3.3 Vocal Music

Participate in any one of the specific style or sub-category in Vocal Music. Any one of the following will be selected by the State, UT, KVS, NVS and EMRS.

1. Classical (Solo)
2. Traditional Folk/Tribal (Solo)
3. Devotional (Solo)
4. Choir (Group of maximum 5 students)
5. Folk/Tribal (Group of maximum 5 students)
6. Devotional (Group of maximum 5 students)
7. Patriotic (Group of maximum 5 students)

General Information

- The duration of the performance will be 4–6 minutes.
- Costumes and stage settings should relate to the presentation.
- Professional and commercial tracks are not allowed.
- The organisers of the competition will provide accompanists such as Tabla, Dhol, *Naal*, Harmonium, Violin and Mridangam. Please give your exact requirement in advance along with the form (Annexure I) submitted by the nodal officer.

Evaluation Sheet — Vocal Music (All Categories)

Sur	*Laya*	Authenticity in Style	Presentation Techniques	Write-up/ Video	Total Marks
20	20	20	20	20	100

3.4 Instrumental Music

Participate in any one of the specific style or sub-category in Instrumental Music. Any one of the following will be selected by the State, UT, KVS, NVS and EMRS.

1. Classical — Percussion Instrument (Solo)
2. Classical — Melodic Instrument (Solo)
3. Orchestra — Instrumental Ensemble Folk/Classical (Group of maximum 5 students)

General Information

- Percussive Instrumental Music includes Indian musical instruments like Mridangam, *Edakka*, Tabla, Dhol, etc.
- Melodic Instrumental Music includes Indian Melodic instruments (any string or aerophone instruments) like Violin, Sitar, Flute, Sarod, Veena, Shehnai, Santoor, etc.
- The duration of the performance will be 4–6 minutes.
- Costumes and stage settings should relate to the presentation.
- Only indigenous musical instruments are allowed.
- Electronic or programmed musical instruments will not be allowed.
- The organisers of the competition will provide accompanists such as Tabla, Dhol, Harmonium and Mridangam. Please give your exact requirement in advance along with the form (Annexure-I) submitted by the nodal officer.

Evaluation Sheet — Instrumental Music

Sur	*Laya*	Authenticity in Style	Presentation Techniques	Write-up/Video	Total Marks
20	20	20	20	20	100

3.5 Dance

Participate in any one of the specific style or sub-category in Dance. Any one of the following will be selected by the State, UT, KVS, NVS and EMRS.

1. Classical Dance (Solo)
2. Regional Folk or Tribal Dance (Group of maximum 5 students)
3. Non-filmy Contemporary Choreography (Group of maximum 5 students)

General Information

- Classical dance forms include *Bharatanatyam, Kathak, Sattriya, Kuchipudi, Odissi, Mohiniyattam, Kathakali, Seraikella Chhau* and *Manipuri*.
- Traditional folk dance will include traditional folk of any State or region.
- Group dances can be in traditional folk forms.
- Contemporary thematic presentation should be based on non-filmy music.
- The duration of the performance will be 4–6 minutes.
- Music can either be recorded or played live. No extra participants will be allowed for live music.
- Costumes and make-up should be simple, authentic, thematic and related to the presentation.
- Very simple and minimum sets, costumes, etc., are to be arranged by the teams.

Evaluation Sheet — Dance

Authenticity in Style	Variations/ Innovations	Costumes	Presentation Skills	Music	Write-up/ Video	Total Marks
20	20	10	20	10	20	100

3.6 Drama

Participate in any one of the specific style or sub-category in Drama. Any one of the following will be selected by the State, UT, KVS, NVS and EMRS.

1. Mono Act
2. Mimicry (Solo)
3. Mime (Group of maximum 5 students)
4. Drama (Group of maximum 5 students)

General Information

- In Group Drama, there should be maximum 5 participants. It can be in any regional form of modern theatre, integrating glimpses from the life of any personality, i.e., eminent social reformer, artist, writer, poet, scientist or freedom fighter of your state or region.
- The duration of the performance will be 6–8 minutes.
- Every team will get additional 5 minutes for the stage setting (technical setting) and 5 minutes for the clearing of the stage.
- Performance can be in any language or dialect of any region.
- Costumes, stage setting, props, etc. will be arranged by the teams themselves.
- For background music, tracks or recorded music can be used.

Evaluation Sheet — Drama

Theme	Communication Skill/Expression	Stage Decor/ Design	Costume and Makeup	Overall Presentation	Write-up / Video	Total Marks
20	20	10	10	20	20	100

3.7 Visual Arts

Participate in any one of the specific style or sub-category in Visual Arts. Any one of the following will be selected by the State, UT, KVS, NVS and EMRS.

1. 2 Dimensional Visual Arts— Drawing, Painting, Printing, Cartoon and Caricature
2. 3 Dimensional Visual Arts— Sculpture and Mobiles
3. Indigenous Toys and Games
4. Local Crafts

General Information

- The competitions for Visual Arts will be held for three days. The participants are expected to complete their art work on the spot during the national level competition. Artworks made earlier are not allowed.
- The size of 2D work will not be bigger than 2 × 3 ft. The size of the 3D work will not be bigger than 2 × 2 × 2 ft. For Indigenous Toys and Games the maximum number of toys will be four only.
- Selection of the material and medium will be as per the choice of student.
- All the materials used for sub-categories of Visual Arts should be eco-friendly and bio-degradable.
- The arrangements of the art material should be made by the State, UT, NVS, KVS and EMRS authorities. Art materials like clay and sand can be arranged by the organisers on request. Please give the exact requirement in advance along with the form (Annexure-I) submitted by the nodal officer.
- In Indigenous Toys the participant is expected to focus on the functional accuracy and original design of the toy(s) or game(s).

- The participants should be available at the venue for interaction with the jury. The jury will observe the participants during the process and interact with them on all days.
- Each of the participants for all the sub-categories of Visual Arts will be provided space of 6×4 ft to work.

Evaluation Sheet — Visual Arts

Composition and Style	Originality	Technique	Presentation/ Narration	Write-up and Video	Total Marks
20	20	20	20	20	100

3.8 Traditional Story Telling

Traditional Story Telling incorporating Dance, Drama, Music or Visual Arts or more than one art form.

General Information

- One or two participants will tell the story.
- Costumes, makeup, props and music can be the individual's choice.
- The narration should not exceed 5 minutes.
- Performance can be in any dialect or language.

Evaluation Sheet – Traditional Story Telling

Theme	Communication Skill/Expression	Stage Props/ Design	Costume and Make-up	Overall Presentation	Write-up/ Video	Total Marks
20	20	10	10	20	20	100

4. Role and Responsibilities of the Secretaries of States/UTs and the Commissioners of KVS/NVS/EMRS

Each of the entries from States and UTs shall be approved by the Secretary, Education and in respect of KVS, NVS and EMRS, they shall be approved by the respective Commissioners. The nodal officer should personally check the entries, fill up the Declaration forms for the authentication as given in Annexures I and II and verify it before uploading and submitting them for the national level competitions.

Annexure I

PROFORMA FOR SUBMITTING KALA UTSAV 2024–25 ENTRIES

(To be sent by the State/UT/KVS/NVS/EMRS to participate at National Level)

Section A

General Information

1. Name of the State/UT/KVS/NVS/EMRS: _____

2. Details of the Participating Students

S.No.	Name of the Student	Class	Sex (Male/ Female)	Name of the School, Address with PIN code and Type of the school (Government/ Government-aided/KVS/NVS/ EMRS/Private School/other)	Name of the Art Form/ Category
1.					
2.					
3.					
4.					
5.					
6.					
7.					
8.					
9.					
10.					
11.					
12.					
13.					

14.					
15.					
16.					
17.					
18.					
19.					
20.					

3. Details of the Mentors/Escort Teachers

S.No.	Name of the Escort Teacher	Designation	Sex (Male/ Female)	Name of the School, Complete Address with PIN code and Type of the School (Govt/Govt-aided/KVS/ NVS/Private/other)	Contact number
1.					
2.					

4. Details of the Escort/s with Children with Special Needs (CWSN participant/s):

S. No.	Name of the Escort/Parent	Name of the Children with Special Needs Student being escorted	Sex (Male/ Female)	Complete Address with PIN code	Contact number
1.					
2.					

5. Tick (✓) requirements of musical instruments and accompanists.
   - ❖ Tabla
   - ❖ Dholak
   - ❖ Harmonium
   - ❖ Mridangam
   - ❖ Flute
   - ❖ Sarangi
   - ❖ Violin
6. Textual summary of not more than 100 words. (For details, please refer to para 3.2.5 of the guidelines).
7. Video film of the process and presentation of the art form. (For details, please refer to para 3.2.4 of the guidelines).

Annexure II

DECLARATION*

(By the State/UT/KVS/NVS/EMRS)

1. All the entries submitted for the National Level Kala Utsav 2024–25 are as per the Kala Utsav 2024–25 guidelines provided by the NCERT.
2. I have personally seen the presentation and I certify that they do not violate the Kala Utsav Guidelines.

Dated: ...../...../ 2024

Place: _____

Signature with seal

After filling up Annexures I and II, the entries for National Kala Utsav 2024–25 should be mailed at: kalautsav.ncert@ciet.nic.in before or on 20/11/2024 and be sent to the following address by post:

The Head,
Department of Education in Arts and Aesthetics,
II floor, G.B. Pant Block,
National Council of Educational Research and Training
Sri Aurobindo Marg, New Delhi–110016

**In case of State and UT the declaration will be given by the Secretary (Education). In case of KVS, NVS, EMRS the respective Commissioner will give the declaration.*

विद्ययाऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING